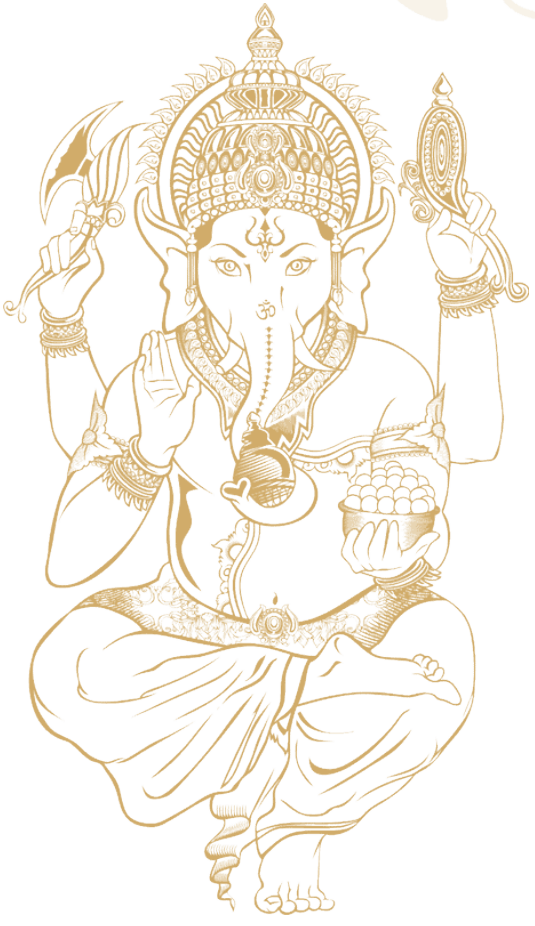

Mr.ACHAY KUMAR PATHAK

Ms.PRIYANSI PANDEY

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119903701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119903701 Date: 27/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/05/1993	जन्म तिथि	5-06/04/1997
गुरुवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 14:30:00	जन्म समय	01:10:00 घंटे
घटी 23:31:27	जन्म समय(घटी)	48:50:59 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Gaya
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	24:48:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	85:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:05:25	सूर्योदय	05:38:10
18:24:46	सूर्यास्त	18:07:44
23:46:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:07

कन्या	लग्न	धनु
बुध	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मेष	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
3	चरण	3
शोभन	योग	ब्रह्म
शकुनि	करण	विष्टि
ले-लेखपाल	जन्म नामाक्षर	दा-दामिनी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 7वर्ष 9मा 1दि	13:54:21	कन्या	लग्न	धनु	27:59:20	गुरु 4वर्ष 5मा 25दि
राहु	05:35:18	वृष	सूर्य	मीन	22:14:14	बुध
20/02/2024	21:29:51	मेष	चंद्र	कुंभ	29:35:42	30/09/2020
19/02/2042	17:28:26	कर्क	मंगल व	सिंह	26:01:38	30/09/2037
राहु 02/11/2026	10:47:14	वृष	बुध	मेष	11:16:43	बुध 26/02/2023
गुरु 28/03/2029	11:11:40	कन्या व	गुरु	मक	22:02:02	केतु 24/02/2024
शनि 02/02/2032	21:52:19	मीन	शुक्र	मीन	23:04:02	शुक्र 25/12/2026
बुध 21/08/2034	06:12:13	कुंभ	शनि	मीन	17:10:07	सूर्य 31/10/2027
केतु 09/09/2035	18:24:02	वृश्चि व	राहु	कन्या	04:54:21	चन्द्र 31/03/2029
शुक्र 08/09/2038	18:24:02	वृष व	केतु	मीन	04:54:21	मंगल 29/03/2030
सूर्य 03/08/2039	28:11:21	धनु व	हर्ष	मक	14:17:01	राहु 15/10/2032
चन्द्र 01/02/2041	27:11:09	धनु व	नेप	मक	05:57:06	गुरु 21/01/2035
मंगल 19/02/2042	00:13:16	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:33:48	शनि 30/09/2037

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:08 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:07

लग्न-चलित

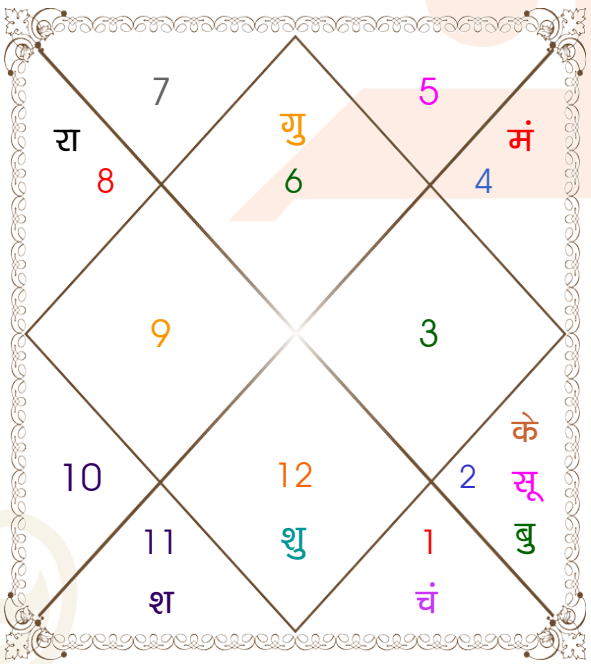

लग्न-चलित

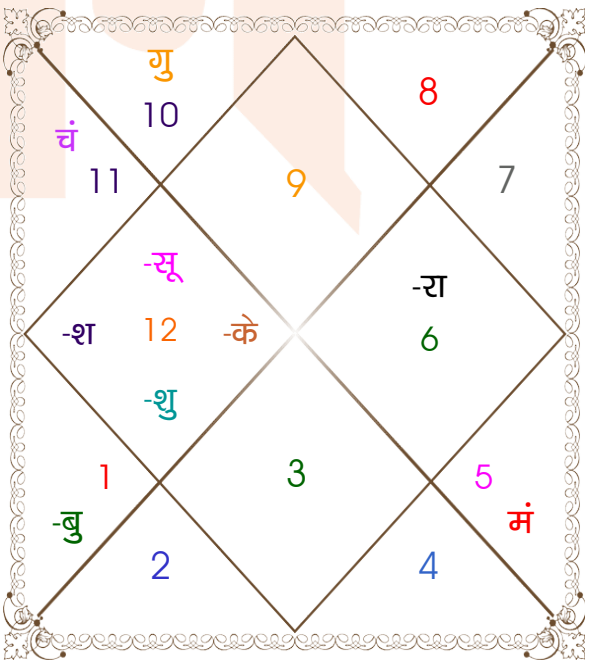

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सिंह	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

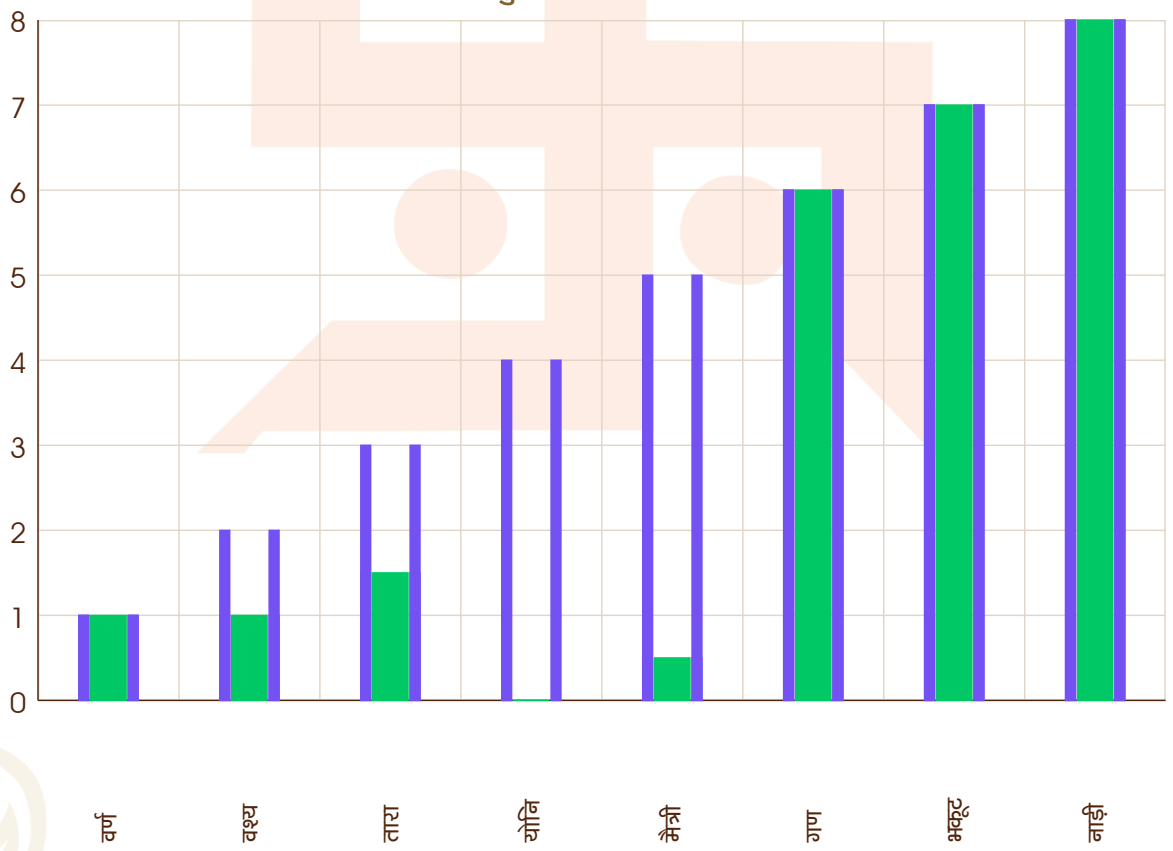

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट मिलान

डतण ।ब्भ् ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ् ।झ का वर्ग मृग है तथा डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।ब्भ् ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ् ।झ और डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।ब्भ् ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ् ।झ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डतण ।ब्भ् ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ् ।झ तथा डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण ।ब्भ ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ ।झ का वर्ण क्षत्रिय तथा डेण्च्त्ल ।छैप्‌ च ।छक्म्ल का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से डेण्च्त्ल ।छैप्‌ च ।छक्म्ल वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा डतण ।ब्भ ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ ।झ से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

डतण ।ब्भ ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ ।झ का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं डेण्च्त्ल ।छैप्‌ च ।छक्म्ल का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार डतण ।ब्भ ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ ।झ एवं डेण्च्त्ल ।छैप्‌ च ।छक्म्ल एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी डेण्च्त्ल ।छैप्‌ च ।छक्म्ल क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

डतण ।ब्भ ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ ।झ की तारा प्रत्यरि तथा डेण्च्त्ल ।छैप्‌ च ।छक्म्ल की तारा साधक है। डतण ।ब्भ ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ ।झ की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत डतण ।ब्भ ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ ।झ कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप डेण्च्त्ल ।छैप्‌ च ।छक्म्ल को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

डतण ।ब्भ ।ल झन्ड ।ट च ।ज्भ ।झ की योनि गज है तथा डेण्च्त्ल ।छैप्‌ च ।छक्म्ल की योनि सिंह है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः

9835195382

अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण।ब्भ।ल झन्ड।त च।ज्भ।झ का राशि स्वामी डेण्ट्प्ल।छैप् च।छक्म्ल के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि डेण्ट्प्ल।छैप् च।छक्म्ल का राशि स्वामी डतण।ब्भ।ल झन्ड।त च।ज्भ।झ के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

डतण।ब्भ।ल झन्ड।त च।ज्भ।झ का गण मनुष्य तथा डेण्ट्प्ल।छैप् च।छक्म्ल का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

डतण।ब्भ।ल झन्ड।त च।ज्भ।झ से डेण्ट्प्ल।छैप् च।छक्म्ल की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा डेण्ट्प्ल।छैप् च।छक्म्ल से डतण।ब्भ।ल झन्ड।त च।ज्भ।झ की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण।ब्भ।ल झन्ड।त च।ज्भ।झ परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर डेण्ट्प्ल।छैप् च।छक्म्ल हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

डतण।ब्भ।ल झन्ड।त च।ज्भ।झ की नाड़ी मध्य है तथा डेण्ट्प्ल।छैप् च।छक्म्ल की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं

कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है जबकि डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल की वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। अग्नि एवं वायुतत्व में मित्रता के कारण इनके परस्पर संबधों में मित्रता का आभास रहेगा। साथ ही डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ की शारीरिक आकर्षण की अपेक्षा बुद्धिमता के भाव पर विशेष केंद्रित रहेंगी तथापि यदि डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल को यथोचित सहयोग प्रदान करें तो जीवन में मधुरता के भावों में वृद्धि हो सकती है।

डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ का राशि स्वामी मंगल डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल की राशि स्वामी शनि का शत्रु तथा डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल का राशि स्वामी शनि मंगल का सम है। अतः परस्पर सुख शांति एवं सदभाव के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। ऐसे योग में समस्याओं दोनों तरफ से उत्पन्न होगी। इससे परस्पर ईर्ष्या का भाव विद्यमान रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी। यदि परस्पर ईर्ष्या के भाव का त्याग किया जाय तो संबधों में स्नेह के भाव की वृद्धि हो सकती है।

डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ और डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट है। अतः इसके प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं परस्पर संबधों में ईमानदारी स्नेह एवं आत्मसमर्पण का भाव सदैव विद्य मान रहेगा। साथ ही परस्पर मतभेदों को आप आपस में स्पष्ट चर्चा के द्वारा सुलझाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति में वृद्धि होगी।

डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ का वश्य चतुष्पद तथा डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल का वश्य मानव है। इनमें नैसर्गिक शत्रुता का भाव होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर एक दूसरे को सन्तुष्ट करने में यत्न से ही सफलता मिलेगी।

डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ का वर्ण क्षत्रिय तथा डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल का वर्ण शूद्र है। अतः डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ कार्य क्षेत्र में प्रभावी पराकमी तथा परिश्रमी होंगे तथा डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल में कर्तव्य परायणता का भाव विद्यमान रहेगा चाहे वह किसी भी प्रकार का कार्य हो।

धन

डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ और डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ एवं डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ और डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल की आर्थिक स्थिति में

सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

डतण ।ब्भ ।ल ज्ञन्ड ।त च ।ज्भ ।ज्ञ को लाटरी या सटटे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार डतण ।ब्भ ।ल ज्ञन्ड ।त च ।ज्भ ।ज्ञ और डेण्ट्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

डतण ।ब्भ ।ल ज्ञन्ड ।त च ।ज्भ ।ज्ञ की नाड़ी मध्य तथा डेण्ट्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण ।ब्भ ।ल ज्ञन्ड ।त च ।ज्भ ।ज्ञ और डेण्ट्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण ।ब्भ ।ल ज्ञन्ड ।त च ।ज्भ ।ज्ञ और डेण्ट्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण्ट्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण्ट्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण्ट्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण ।ब्भ ।ल ज्ञन्ड ।त च ।ज्भ ।ज्ञ और डेण्ट्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण ।ब्भ ।ल ज्ञन्ड ।त च ।ज्भ ।ज्ञ और डेण्ट्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार डेण्च्त्प्ल ।छैप् च ।छक्म्ल को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतण ।ब्भ ।ल झ्न्ड ।ट च ।ज्भ ।झ के प्रति अनुकूल ही रहेगा।